Drishti IAS

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025

भूगोल

(वैकल्पिक विषय)

हिंदी और **अंग्रेज़ी** दोनों माध्यमों में

आरंभ 12 जनवरी, 2025

कुल 16 टेस्ट्स

- 12 सेक्शनल
- 4 संपूर्ण पाठ्यक्रम

ऑनलाइन और **ऑफलाइन** मोड में

शुल्क : ₹16,000/-

मुखर्जी नगर शाखा	करोल बाग शाखा	प्रयागराज शाखा	जयपुर शाखा	लखनऊ शाखा	इंदौर शाखा	नोएडा शाखा
641, मुखर्जी नगर, दिल्ली	21, पूसा रोड, नई दिल्ली	13/15, ताशकंद मार्ग, पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, उत्तर प्रदेश	प्लॉट नंबर-45 व 45-ए, हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, राजस्थान	47/ सीसी, बलिंगटन मॉल, विधानसभा मार्ग, लालबाग, उत्तर प्रदेश	12, मेन ए.बी. रोड, भँवर कुआँ, मध्य प्रदेश	सी-171/2, ब्लॉक-ए, सेक्टर-15, उत्तर प्रदेश

Contacts: 87501 87501 E-mail: care@groupdrishti.in Website: www.drishtiias.com

प्रमुख विशेषताएँ

- प्रश्नों की भाषा-शैली और प्रकृति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भूगोल वैकल्पिक विषय में पूछे गए प्रश्नों के अनुरूप एवं गहरी समझ तथा ज्ञान पर आधारित हैं।
- सेक्शनल टेस्ट में 14 प्रश्न हैं और सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं। प्रत्येक टेस्ट 200 अंकों का है और इसे 2.5 घंटे की समयावधि के भीतर पूरा करना अनिवार्य है।
- सेक्शनल टेस्ट संपूर्ण भूगोल वैकल्पिक विषय के पाठ्यक्रम के विषयवार मूल तत्त्वों को कवर करते हैं।
- संपूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट में रियल टाईम परीक्षा प्रतिरूप का अनुकरण करने के लिये अंतर्विषयात्मक प्रश्न शामिल किये गए हैं।
- मॉडल उत्तरों के लिये भूगोल की मानक संदर्भ पुस्तकों और प्रामाणिक स्रोतों का उपयोग किया गया है।
- स्पष्ट एवं भाषाप्रवाही मॉडल उत्तर भूगोल के व्यावहारिक सिद्धांतों के बुनियादी पहलुओं और प्रश्न से संबंधित समसामयिक घटनाओं को कवर करते हैं।
- स्पष्ट प्रस्तुतिकरण और बेहतर स्कोरिंग के लिये मॉडल उत्तरों में उपयुक्त उदाहरणों, सटीक आरेखों और ग्राफिक विश्लेषण का उपयोग किया गया है।
- समुचित तैयारी, फीडबैक एवं सुधार के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य पर्याप्त अंतराल दिया गया है।

टेस्ट क्रमांक	तिथि	पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-G-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	भूआकृतिक विज्ञान
टेस्ट-2 OPT-G-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान
टेस्ट-3 OPT-G-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	जीव भूगोल, पर्यावरणीय भूगोल
टेस्ट-4 OPT-G-2504	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	आर्थिक भूगोल, प्रादेशिक आयोजन
टेस्ट-5 OPT-G-2505	2 मार्च, 2025 (रविवार)	जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल
टेस्ट-6 OPT-G-2506	16 मार्च, 2025 (रविवार)	मानव भूगोल में संदर्श, मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत एवं नियम
टेस्ट-7 OPT-G-2507	1 जून, 2025 (रविवार)	भौतिक विन्यास, संसाधन
टेस्ट-8 OPT-G-2508	8 जून, 2025 (रविवार)	कृषि

टेस्ट क्रमांक	तिथि	पाठ्यक्रम
टेस्ट-9 OPT-G-2509	15 जून, 2025 (रविवार)	उद्योग
टेस्ट-10 OPT-G-2510		परिवहन, संचार एवं व्यापार
टेस्ट-11 OPT-G-2511	29 जून, 2025 (रविवार)	अधिवास, प्रादेशिक विकास एवं आयोजन
टेस्ट-12 OPT-G-2512		सांस्कृतिक विन्यास, राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, समकालीन मुद्दे
टेस्ट-13 OPT-G-2513	13 जुलाई, 2025 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-I
टेस्ट-14 OPT-G-2514		संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-II
टेस्ट-15 OPT-G-2515	27 जुलाई, 2025 (रविवार)	संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-I
टेस्ट-16 OPT-G-2516		संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-II

*पाठ्यक्रम के विस्तृत विवरण के लिये, कृपया बाद के पृष्ठों को देखें।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

टेस्ट शेड्यूल

टेस्ट क्रमांक	तिथि	पाठ्यक्रम
टेस्ट-1 OPT-G-2501	12 जनवरी, 2025 (रविवार)	● भूआकृतिक विज्ञान: भूआकृतिक विकास के नियंत्रक कारक; अंतर्जात एवं बहिर्जात बल; भूपर्पटी का उद्गम एवं विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के आंतरिक भाग की प्राकृतिक दशाएँ; भू-अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वतोत्पत्ति के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप एवं सुनामी, भू-आकृति चक्र एवं भू-दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएँ; अनाच्छादन कालानुक्रम; सरिता आकारिकी; अपरदन सतह; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भू-आकृति विज्ञान; भूजलविज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान एवं पर्यावरण।
टेस्ट-2 OPT-G-2502	19 जनवरी, 2025 (रविवार)	● जलवायु विज्ञान: विश्व के ताप एवं दाब कटिबंध; पृथ्वी का तापीय बजट; वायुमंडल परिसंचरण; वायुमंडल स्थिरता एवं अस्थिरता; भूमंडलीय एवं स्थानीय पवन; मानसून एवं जेट धारा; वायु राशि एवं वाताग्रजनन; कोपेन, थॉर्नवेट एवं त्रेवार्था एवं त्रेवार्था का विश्व जलवायु वर्गीकरण; जलीय चक्र; विश्व जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया; अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु। ● समुद्र विज्ञान: अटलांटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एवं लवण बजट, महासागरीय निक्षेप; तरंग धाराएँ एवं ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन; जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल भित्तियाँ, प्रवाल विरंजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्री नियम एवं समुद्री प्रदूषण।
टेस्ट-3 OPT-G-2503	2 फरवरी, 2025 (रविवार)	● जीव भूगोल: मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएँ एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केंद्र। ● पर्यावरणीय भूगोल: पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिकी परिवर्तन एवं असंतुलन; पारिस्थितिक तंत्र और उनका प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय निम्नीकरण, प्रबंध एवं संरक्षण; जैव-विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान।
टेस्ट-4 OPT-G-2504	16 फरवरी, 2025 (रविवार)	● आर्थिक भूगोल: विश्व आर्थिक विकास: माप एवं समस्याएँ; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकट; संवृद्धि की सीमाएँ; विश्व कृषि: कृषि प्रदेशों का वर्गीकरण; कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएँ; खाद्य सुरक्षा; भुखमरी: कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग, अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएँ; विश्व व्यापार के प्रतिमान। ● प्रादेशिक नियोजन: प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियाँ; वृद्धि केंद्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियाँ; प्रादेशिक नियोजन में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिये नियोजन।
टेस्ट-5 OPT-G-2505	2 मार्च, 2025 (रविवार)	● जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल: विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी विशेषताएँ; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अतिरेक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएँ; जनसंख्या के सिद्धांत; विश्व की जनसंख्या समस्याएँ और नीतियाँ; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या; ग्रामीण अधिवासों के प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण अधिवासों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय अधिवासों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं कोटि आकार नियम की संकल्पना; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम नगर उपांत; अनुषंगी नगर; नगरीकरण की समस्याएँ एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास।

टेस्ट शेड्यूल

टेस्ट क्रमांक	तिथि	पाठ्यक्रम
टेस्ट-6 OPT-G-2506	16 मार्च, 2025 (रविवार)	● मानव भूगोल में संदर्श: क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति एवं अवस्थिति विश्लेषण; अतिवाद, व्यावहारिक, मानवीय एवं कल्याण उपागम; भाषाएँ, धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचकांक। ● मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धांत एवं नियम: मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण; माल्थस, मार्क्स और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टावर एवं लॉश का केंद्रीय स्थल सिद्धांत; पेरॉक्स एवं बाउदीविले; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थिति मॉडल, वेबर का औद्योगिक अवस्थिति मॉडल; ओस्तोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; हृदय स्थल एवं रिमलैंड सिद्धांत; अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ एवं सीमांत क्षेत्र के नियम।
टेस्ट-7 OPT-G-2507	1 जून, 2025 (रविवार)	● भौतिक विन्यास: पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाह तंत्र एवं जल विभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप, उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रियाविधि; बाढ़ एवं सूखा; जलवायवीय प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा एवं उनका वितरण। ● संसाधन: भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट।
टेस्ट-8 OPT-G-2508	8 जून, 2025 (रविवार)	● कृषि: अवसंरचना, सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारक: जोत, भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, शष्य गहनता, शष्य संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रांति एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारिस्थितिक निहितार्थ; शुष्क खेती का महत्त्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रांति; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खी पालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवीय क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश।
टेस्ट-9 OPT-G-2509	15 जून, 2025 (रविवार)	● उद्योग: उद्योगों का विकास; कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लौह एवं इस्पात, एल्यूमिनियम, उर्वरक, कागज़, रसायन एवं फार्मास्यूटिकल्स ऑटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीति; बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक-पर्यटन समेत पर्यटन।
टेस्ट-10 OPT-G-2510	15 जून, 2025 (रविवार)	● परिवहन, संचार एवं व्यापार: सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, वायु मार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्त्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रक्रमण क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम।
टेस्ट-11 OPT-G-2511	29 जून, 2025 (रविवार)	● अधिवास: ग्रामीण अधिवास के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सन्ननगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगरीय प्रसार; मलिन अधिवास एवं उससे जुड़ी समस्याएँ; नगर नियोजना; नगरीकरण की समस्याएँ एवं समाधान। ● प्रादेशिक विकास एवं नियोजन: भारत में प्रादेशिक नियोजन का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएँ; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेंद्रीकृत नियोजन; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़े क्षेत्रों का नियोजन, मरूस्थल, सूखा प्रवण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिये नियोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास।

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

टेस्ट शेड्यूल		
टेस्ट क्रमांक	**तिथि**	**पाठ्यक्रम**
टेस्ट-12 OPT-G-2512	29 जून, 2025 (रविवार)	● सांस्कृतिक विन्यास: भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएँ; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियाँ, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी समस्याएँ; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय विशेषताएँ; लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंत: प्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएँ, जनसंख्या समस्याएँ एवं नीतियाँ; स्वास्थ्य सूचक। ● राजनैतिक परिप्रेक्ष्य: भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिंद महासागर परिमंडल की भू-राजनीति। ● समकालीन मुद्दे: पारिस्थितिक मुद्दे: पर्यावरणीय संकट: भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं सूखा, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं प्रबंधन के सिद्धांत; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण, वनोन्मूलन, मरूस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएँ; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएँ; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदी जोड़ो; भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था।
टेस्ट-13 OPT-G-2513	13 जुलाई, 2025 (रविवार)	● संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-I
टेस्ट-14 OPT-G-2514		● संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-II
टेस्ट-15 OPT-G-2515	27 जुलाई, 2025 (रविवार)	● संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-I
टेस्ट-16 OPT-G-2516		● संपूर्ण पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र-II

संदर्भ सूची

1. NCERT
2. सर्टिफिकेट फिज़िकल एंड ह्यूमन ज्योग्राफी-जी सी लियोंग
3. ज्योग्राफी मेड सिंपल (वॉल्यूम 1 और वॉल्यूम 2) रूपा प्रकाशन
   a. फिज़िकल ज्योग्राफी
   b. इकोनॉमिकल एंड सोशल ज्योग्राफी
4. भूआकृतिक विज्ञान-सविंद्र सिंह
5. जलवायु विज्ञान- सविंद्र सिंह
6. समुद्र विज्ञान-सविंद्र सिंह
7. जीव भूगोल-सविंद्र सिंह
8. पर्यावरणीय भूगोल-सविंद्र सिंह
9. मानव भूगोल-माज़िद हुसैन
10. मॉडल एवं सिद्धांत-माज़िद हुसैन
11. ज्योग्राफिकल थॉट-आर डी दीक्षित
12. फंडामेंटल्स ऑफ ज्योग्राफिकल थॉट-सुदीप्त अधिकारी
13. सेटलमेंट ज्योग्राफिकल-के सिद्धार्थ एंड एस मुखर्जी
14. भारत का विस्तृत भूगोल-डी आर खुल्लर
15. ऑक्सफोर्ड स्कूल एटलस
16. आर्थिक सर्वेक्षण
17. डाउन टू अर्थ, योजना, कुरूक्षेत्र
18. संयुक्त राष्ट्र एवं निति आयोग की रिपोर्टें

यू.पी.एस.सी. (2024) तथा भूगोल (वैकल्पिक विषय) टेस्ट सीरीज़ तुलनात्मक विश्लेषण

प्रश्न पत्र-I

टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
G-2413	2. (a)	• 'ध्रुवीय वाताग्र सिद्धांत' के अनुसार शीतोष्ण चक्रवात के जीवनचक्र का वर्णन कीजिये। शीतोष्ण चक्रवात में शीत और ऊष्ण वाताग्रों से संबंधित वातागीय वर्षण के बीच अंतर बताइये।	1. (b)	• शीतोष्ण चक्रवात का निर्माण फैलाव अक्ष की स्थिति पर निर्भर करता है। स्पष्ट कीजिये।	10
G-2402	3. (a)	• विश्व के कई प्रमुख शहर तटीय क्षेत्रों में स्थित हैं। इस संदर्भ में समुद्र स्तर में वृद्धि के संभावित वैश्विक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर चर्चा कीजिये।	1. (c)	• उपयुक्त उदाहरणों सहित समुद्र-स्तर में परिवर्तन लाने वाले कारकों की व्याख्या कीजिये।	10

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

G-2403	2. (c)	• शुष्क और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में कृषि-वानिकी एवं सामाजिक वानिकी के संभावित लाभों तथा चुनौतियों की चर्चा कीजिये।	1. (d)	• ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन में सामाजिक वानिकी के प्रभावों का परीक्षण कीजिये।	10
G-2401 G-2415	3. (b) 2. (b)	• प्लेट टेक्टोनिक सिद्धांत के आधार पर विभिन्न प्रकार की अभिसरण सीमाओं के साथ पर्वत निर्माण प्रक्रियाओं पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिये। • कोबर के भूसन्नति पर्वत निर्माण सिद्धांत का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये और चर्चा कीजिये कि प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ने 'क्रैटोजेंस' की गति पर उनके विचारों का समर्थन किस प्रकार किया है।	2. (a)	• पर्वत निर्माणकारी प्रक्रिया के नवीनतम दृष्टिकोणों का परीक्षण कीजिये तथा विश्व के पर्वतों को उनकी उत्पत्ति के आधार पर विभाजित कीजिये।	20
G-2403	3. (c)	• मृदा अपरदन और मृदा निम्नीकरण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये। चर्चा कीजिये कि ये कृषि को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।	3. (b)	• "मृदा अपरदन रेंगती हुई मौत है।" कथन की व्याख्या करते हुए, मृदा संरक्षण के विभिन्न उपायों को सुझाइए।	15
G-2405	4. (c)	• पूर्व के मॉडल की तुलना में बहुनाभिकीय मॉडल और नगरीय क्षेत्रीय मॉडल आधुनिक नगरों में होने वाले रूपात्मक परिवर्तनों को समझाने हेतु बेहतर अनुकूल हैं। चर्चा कीजिये।	5. (c)	• महानगरों के आर्थिक मूल के रूप में केंद्रीय व्यापार क्षेत्र (सी.बी.डी.) पतन में है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।	10
G-2406	1. (a)	• रोस्टो के आर्थिक विकास मॉडल के तहत विकास के चरणों को समझाइए। उपयुक्त उदाहरणों का उपयोग कीजिये।	5. (e)	• रोस्टोव मॉडल द्वारा प्रस्तावित आर्थिक वृद्धि के सैद्धांतिक ढाँचे एवं चरणों की व्याख्या कीजिये।	10
G-2413	8. (a)	• भूगोल में मात्रात्मक क्रांति से उत्पन्न प्रत्यक्षवादी-स्थानिक विज्ञान परंपरा की अपनी आलोचनाएँ थीं, जिसके कारण समालोचनात्मक क्रांति हुई। समालोचनात्मक क्रांति के कारण भूगोल में होने वाले मानवतावादी एवं व्यवहारवादी दृष्टिकोणों के विकास पर चर्चा कीजिये।	5. (a)	• मानव भूगोल के विकास में व्यवहारपरक उपागम के महत्त्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।	10

G-2406	4. (a)	• बीसवीं सदी के मध्य की शेफर-हार्टशोर्न विमर्श ने भौगोलिक अध्ययन में क्षेत्रीय भेदभाव से स्थानिक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित किया। टिप्पणी कीजिये।	6. (b)	• स्पष्ट कीजिये कि भौगोलिक स्थान के भौतिक दृश्य ने किस प्रकार से स्थानिक विश्लेषण के प्रारूपों को प्रभावित किया है।	15
G-2413	7. (a)	• वैश्विक स्तर पर शक्ति केंद्रों के रूप में 'धुरी क्षेत्र (Pivot Area)' से लेकर 'मध्यभूमि एवं हृदयस्थल बेसिन' तक राजनीतिक-भौगोलिक वास्तविकता के बारे में मैकिंडर की अवधारणा के विकास पर चर्चा कीजिये।	6. (c)	• विश्व के समकालीन भू-राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में हृदय-स्थल (हॉर्टलैंड) सिद्धांत की व्याख्या कीजिये।	15
G-2404	2. (c)	• व्हिटलेसी के वर्गीकरण के अंतर्गत विभिन्न कृषि प्रदेशों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिये।	7. (a)	• डी. ह्वीटलेसी के विश्व कृषि प्रदेशों के वर्गीकरण के आधार पर व्याख्या कीजिये।	20
G-2406	2. (a)	• क्रिस्टेलर के केंद्रीय स्थान सिद्धांत (Central Place Theory– CPT) का संक्षिप्त विवरण दीजिये। रेंज और थ्रेशोल्ड की अवधारणाओं और उनके सिद्धांत में उनकी भूमिका पर चर्चा कीजिये।	8. (a)	• पूरक प्रदेश क्या है? अधिवासों के पदानुक्रम के संदर्भ में, क्रिस्टालर द्वारा प्रतिपादित विभिन्न प्रकार के पूरक प्रदेशों का वर्णन कीजिये।	20
G-2405	4. (a)	• हाल के दिनों में कई पश्चिमी यूरोपीय देशों ने प्रवासियों और शरणार्थियों के प्रति उदार नीतियाँ अपनाई हैं। हालाँकि इसके अपने फायदे हैं लेकिन इसने इन देशों में कई समस्याओं को भी जन्म दिया है। चर्चा कीजिये।	8. (c)	• "विकसित देशों में आने वाले कुछ दशकों तक जनसंख्या गतिकी में प्रजनन के बजाय प्रवास मुख्य चालक होगा।" कथन का परीक्षण कीजिये।	15
G-2404	3. (b)	• सेमीकंडक्टर उद्योग के विशेष संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिरूप निर्धारित करने में तुलनात्मक लाभ और विशेषज्ञता की भूमिका की व्याख्या कीजिये।	8. (b)	• विश्व में सेमीकंडक्टर के विनिर्माण में स्थानित परिवर्तनों एवं उभरते प्रतिरूपों का विश्लेषण कीजिये।	15
G-2413	6. (a)	• प्रादेशिक विकास नियोजन के संदर्भ में योजनाबद्ध क्षेत्र (Planning Region) एवं प्रादेशीकरण के उपागम पर चर्चा कीजिये। इस संबंध में प्रादेशीकरण की क्लस्टर पद्धति को बताते हुए इसकी उपयोगिता की व्याख्या कीजिये।	7. (c)	• विकासात्मक योजना के लिये प्रदेशों के चयन में अपेक्षित मानदंडों का आकलन कीजिये।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

प्रश्न पत्र-II					
टेस्ट सीरीज़ कोड	प्रश्न कोड	दृष्टि आई.ए.एस. टेस्ट सीरीज़ प्रश्न	यू.पी.एस.सी. प्रश्न क्रमांक	यू.पी.एस.सी. प्रश्न	अंक
G-2414	3. (c)	• वर्तमान में भारतीय कृषि के समक्ष मौजूद प्रमुख चुनौतियों का परीक्षण कीजिये, साथ ही उन्हें संबोधित करने के लिये आवश्यक संस्थागत सुधारों पर चर्चा कीजिये।	2. (a)	• भारत में कृषि समृद्धि को नियंत्रित करने में संस्थागत कारक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। साक्ष्य सहित पुष्टि कीजिये।	20
G-2410	3. (a)	• अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी अभिकर्त्ताओं को प्रोत्साहन देने के साथ इसरो द्वारा उद्योगों को प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करने से 'आत्मनिर्भर भारत' से संबंधित आर्थिक एवं तकनीकी पहलुओं का उन्नयन होगा। इस संबंध में भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 के प्रमुख पहलुओं को बताते हुए अंतरिक्ष क्षेत्र की वाणिज्यिक क्षमता का लाभ उठाने तथा इसे राष्ट्र में प्रौद्योगिकी विकास के प्रेरक के रूप में उपयोग करने के इसके दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिये।	2. (b)	• भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 अंतरिक्ष में वाणिज्यिक उपस्थिति का समर्थन करती है। इससे भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास औश्र सुरक्षा को किस प्रकार लाभ होगा?	15
G-2411 G-2405	1. (c) 2. (a)	• भारतीय सन्नगरों के समक्ष आने वाली चुनौतियों को विशिष्ट उदाहरणों के साथ समझाइये। • संन्नगर की विशेषताओं और इसके गठन में शहरी विस्तार की भूमिका की चर्चा कीजिये। संन्नगरों से संबंधित प्रमुख समस्याएँ क्या हैं?	2. (c)	• भारत में सन्नगरों के गठन की प्रक्रिया पर विवेचना कीजिये और उनकी समस्याओं का वर्णन कीजिये।	15
G-2404 G-2404	1. (b) 1. (e)	• किसी देश के भीतर प्रादेशिक असंतुलन के परिण ामों की चर्चा कीजिये। • क्षेत्रीय विकास रणनीति के महत्त्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।	3. (a)	• भारत में आर्थिक विकास में व्यापक क्षेत्रीय असमानताएँ हैं। प्रतिरूप, निहितार्थ और चुनौतियों की व्याख्या कीजिये।	20

G-2416 G-2414	4. (c) 4. (c)	• हाल के दिनों में भारत में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) की घटनाओं से उत्पन्न जोखिम में वृद्धि हुई है। इस संबंध में सरकारी पहलों पर चर्चा कीजिये और प्रभावी शमन उपाय संबंधी सुझाव प्रदान कीजिये। • ग्लेशियरों के क्षेत्र में कमी आने के कारण भारत की हिमालयी नदियों का प्रवाह कम होने का अनुमान है लेकिन हाल के दिनों में हिमालयी क्षेत्र में बाढ़ की घटनाओं में वृद्धि हुई हैं। इसके अंतर्निहित कारकों पर चर्चा कीजिये।	3. (b)	• भरत में हिमनदों की प्रकृति में विभिन्नताओं और जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर चर्चा कीजिये।	15
G-2409 G-2414	1. (b) 5. (e)	• हरित पर्यटन में भारतीय हिमालयी क्षेत्र (IHR) में आर्थिक लाभ और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिये। • भारत के द्वीपीय क्षेत्रों में स्थानीय विकास को समर्थन देने में धारणीय पर्यटन प्रथाएँ किस प्रकार सहायक हो सकती हैं। परीक्षण कीजिये।	3. (c)	• भारत में घरेलू पर्यटन में अपार स्थानीय संसाधन क्षमता है। कारणों एवं इसके विभिन्न आयामों की विवेचना कीजिये।	15
G-2414	8. (a)	• राज्यों में असमान क्षेत्रीय विकास तथा जनसांख्यिकीय संक्रमण, भारत के आंतरिक प्रवासन प्रतिरूप के प्रमुख निर्धारक तत्त्व रहे हैं। चर्चा कीजिये।	4. (a)	• प्रवासन क्षेत्रीय विषमताओं का प्रतिबिंब है। इसके उत्पत्ति स्थान व गंतव्य स्थान पर कौन-से सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय परिणाम अनुभव किये जाते हैं?	20
G-2411 G-2412	4. (c) 1. (b)	• भारत में जनजातीय क्षेत्र के विकास के लिये जनजातीय उप-योजना में शामिल बहु-स्तरीय योजना और कार्यों पर चर्चा कीजिये। • स्वतंत्र भारत में प्रमुख जनजातीय क्षेत्रों, उनकी जनसंख्या और उनकी वृद्धि का संक्षिप्त चित्रण प्रस्तुत कीजिये।	4. (b)	• भारत में विभिन्न जनजातीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों के बावजूद, जनजातीय क्षेत्र अभी भी पिछड़े हुए हैं। उदाहरणों सहित समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

G-2412 G-2411	3. (b) 3. (a)	• स्वतंत्र भारत में अंतर्राज्यीय विवादों को समझने में भौगोलिक भूमिका को उदाहरणों के साथ समझाइये। • भारत में वाटरशेड और वाटरशेड प्रबंधन की स्थिति का विश्लेषण कीजिये। भारत में एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (IWMP) और ऐसे अन्य कार्यक्रमों के प्रभाव पर चर्चा कीजिये।	4. (c)	• भारत में पानी की कमी विवादों और झगड़ों का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। इसके स्थान-आधारित समाधान हेतु नवोन्मेषी तरीके सुझाइए।	15
G-2407	1. (b)	• भारत में सामयिक वर्षा परिवर्तनशीलता उन क्षेत्रों में सबसे अधिक है, जहाँ वर्षा की मात्रा सबसे कम है। विस्तृत रूप में बताइये।	5. (a)	• भारत के कुछ हिस्सों में उच्च वार्षिक वर्षा के वितरण को भौगोलिक कारक कैसे प्रभावित कर रहे हैं?	10
G-2408 G-2413	1. (b) 5. (c)	• भारत में कृषि उत्पादकता में सुधार हेतु कृषि मशीनीकरण की संभावनाओं और चुनौतियों की चर्चा कीजिये। • भारत के विशेष संदर्भ में कृषि नवाचार हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।	5. (c)	• भारतीय कृषि क्षेत्र पर प्रौद्योगिकी की परिवर्ती भूमिका का परीक्षण कीजिये।	10
G-2408 G-2411 G-2411	4. (c) 2. (b) 3. (a)	• भारत के कृषि क्षेत्र में सूखे के प्रभाव को कम करने हेतु प्रयुक्त रणनीतियों एवं प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन कीजिये। सूखे के प्रति अनुकूलन बढ़ाने के क्रम में जल संरक्षण विधियों, सूखा प्रतिरोधी फसल किस्मों तथा सिंचाई प्रणालियों की प्रभावशीलता की चर्चा कीजिये। • इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर बल देते हुए कमान क्षेत्र विकास की अवधारणा पर चर्चा कीजिये। • भारत में वाटरशेड और वाटरशेड प्रबंधन की स्थिति का विश्लेषण कीजिये। भारत में एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (IWMP) और ऐसे अन्य कार्यक्रमों के प्रभाव पर चर्चा कीजिये।	5. (d)	• भारत में सूखा-प्रवण क्षेत्रों के विकास हेतु क्षेत्र-विशिष्ठ रणनीतियों का वर्णन कीजिये।	10

G-2410 G-2410	2. (a) 2. (c)	• मैरीटाइम इंडिया विज़न, 2030 के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा कीजिये। यह भारत के समुद्री व्यापार को बढ़ावा देने और भारत के निर्यात व्यापार को अनुकूल रूप से प्रभावित करने में किस प्रकार सहायक हो सकता है। • कोलकाता बंदरगाह में 'बेंड/मोड़', 'बार/रोधिका' और 'बोर/कूप' की गंभीर समस्या है। कोलकाता बंदरगाह के माध्यम से होने वाले नौपरिवहन और व्यापार की प्रकृति को बताते हुए वर्तमान में बंदरगाहों के समक्ष आने वाली भौगोलिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिये।	5. (e)	• भारत में बंदरगाहों और क्षेत्रीय विकास के बीच संबंध का परीक्षण कीजिये।	10
G-2414 G-2416	7. (a) 7. (a)	• भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) की संरचना को बताते हुए विकेंद्रीकृत नियोजन को सुविधाजनक बनाने में इनकी भूमिका का विश्लेषण कीजिये। इनकी सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए भारत में क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के क्रम में इनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय बताइये। • भारत में बहु-स्तरीय नियोजन के विकास और वर्तमान स्थिति का परीक्षण कीजिये। इस संदर्भ में पंचायती राज संस्थाएँ (PRI) और शहरी स्थानीय निकाय (ULB) किस प्रकार की भूमिका का निर्वहन करते हैं?	7. (b)	• 73वें संविधान संशोधन अधिनियम ने भारत में ग्रामीण क्षेत्रों की योजना के लिये कार्य, वित्त व पदाधिकारियों को हस्तांतरित किया। प्रमुख उपलब्धियों की उदाहरणों सहित विवेचना कीजिये।	15

www.drishtiIAS.com
Contact : 8750187501

G-2416 G-2408	1. (d) 3. (b)	• भारत में कृषि भूमि जोत और कृषि लाभप्रदता से संबंधित मुद्दों को रेखांकित कीजिये। • सहकारी कृषि और भूमि जोत का समेकन भारत में कृषि उत्पादकता को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है। छोटे किसानों के लिये सहकारी कृषि के संभावित लाभों और विखंडन को कम करने तथा उत्पादकता बढ़ाने पर भूमि जोत का समेकन करने के प्रभावों का परीक्षण कीजिये।	7. (c)	• ग्रामीण भारत में लघु एवं खंडित भूमि जोत, कृषि-पारिस्थितिकी प्रणाली को कैसे प्रभावित करती है? इस मुद्दे पर काबू पाने हेतु कौन-से लचीले कदमों की आवश्यकता है?	15
G-2411 G-2411	4. (a) 1. (b)	• आधुनिक भारतीय शहरों की रूपरेखा भारत की पुरानी और प्राचीन शहरी बस्तियों से काफी भिन्न हैं। पुराने भारतीय शहरों के परिदृश्य को आधुनिक बनाने में इन अंतरों के कारण क्या चुनौतियाँ आती हैं, इसका परीक्षण कीजिये। • ब्रिटिश काल एवं स्वातंत्र्योत्तर काल में भारतीय शहरी विकास के बीच तुलना करें और अंतर बताएँ।	8. (a)	• भारतीय नगरों की आकारिकी का ऐतिहासिक वर्णन किस प्रकार किया जा सकता है? स्वतंत्रता पश्चात् भारत के पहले नियोजित शहर की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिये।	20
G-2410 G-2414	4. (a) 5. (d)	• गति शक्ति मास्टर प्लान का उद्देश्य परिवहन अवसंरचना संबंधी विभिन्न योजनाओं को एकीकृत करना तथा विविध आर्थिक क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करना है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था का उन्नयन होने के साथ जनसामान्य को सुविधा मिलेगी। परिकल्पित मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के महत्त्व के साथ इस योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा कीजिये। • मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने वाले भारत के पहले बुलेट ट्रेन मार्ग के निर्माण में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कीजिये।	8. (c)	• भारत में विकसित प्रमुख क्षेत्रीय द्रुत पारगमन प्रणालियाँ कौन-सी है? उनके द्वारा शहरी समस्याओं को कैसे संबोधित किया जा रहा है?	15